पाठ - 15 नौकर

पष्ठृ संख्या:112

प्रश्न अभ्यास

निबधं से

1. आश्रम मेंकॉलेजकेछात्रों सेगाँधीजी नेकौन-सा काम करवाया और क्यों?

उत्तर

आश्रम मेंकॉलेजकेछात्रों सेगाँधीजी नेगेंह ाँबीननेका काम करवाया। उन्हेंअपनेअग्रेजीं ज्ञान पर बड़ा गववथा। बातचीत केअतं मेंउन्होंनेगाधीजीं सेकोई कायवमाँगाचककाँ उन्हेंलगा की वेउन्हें पढ़ने-कलखनेसम्बंकधत कायवदेंगेपरन्तुगाँधीनेउनकी मंशा को भापतेंहए उन्हेंगेह ाँबीननेका कायव सौंप कदया।

2. 'आश्रम मेंगाँधीकई ऐसेकाम भी करतेथे, कजन्हेंआमतौर पर नौकर-चाकर करतेहैं'।पाठ से तीन ऐसेप्रसगों को अपनेअपनेशब्दों मेंकलखो जो इस बात का प्रमाण हों।

उत्तर

- जब वेबैररस्टरीसेहज़ारो रुपयेकमातेथेउस समय भी वेप्रकतकदन सबहु खदु चक्की पर आटा पीसा करतेथे।
- आश्रम मेंवेसकब्जयाँकछलनेका काम करतेथे।

• आश्रम केकनयमानसारु सभी लोगों को कमल-बाटकरं बतवनसाफ़ करना पड़ता था। एक बार उन्होंने बतवनोंकी सफाई खदु ककया।

3. लदनं मेंभोज पर बलाए जानेपर गाँधीजी नेक्या ककया?

उत्तर

लदनं मेंभोज पर बलाए जानेपर गाँधीजी नेवहाँतश्तररयाँधोने, सकब्जयाँसाफ़ करनेऔर अन्य छट-पटु काम करनेमेंछात्रों की मदद करनेलगे।

4. गाँधीजी नेश्रीमती पोलक केबच्चेका दध कै सेछुड़वाया?

उत्तर

गाँधीजी नेश्रीमती पोलक केबच्चेका दध छुड़वानेकेकलए वेबच्चेको माँसेदर अपनेकबस्तर पर सलातेथे।वह चारपाई केपास एक बरतन मेंपानी भरकर रख लेतेबच्चेको प्यास लगेतो उसेकपला दें।एक पखवाड़ेतक माँसेअलग सलानेकेबाद बच्चेनेमाँका दध छोड़ कदया।

5. आश्रम मेंकाम करनेया करवानेका कौन-सा तरीका गाँधीजी अपनातेथे? इसेपाठ पढ़कर कलखो।

उत्तर

गाँधीजीअपना काम स्वयंकरतेथेऔर दसरों सेकाम करवानेमेंसख्ती भी बरततेथे।गाँधीजी को काम करता देखउनकेअनयायी भी उनका अनकरण कर कायवकरनेलगतेथे।इस प्रकार गाँधीजी स्वयंकेउदाहरण द्वारा लोगों को काम करनेकी प्रेरणादेतेथे।

निबधं सेआगे

6. गाँधीजी इतना पैदलक्यों चलतेथे? पैदलचलनेकेक्या लाभ हैं?कलखो।

उत्तर

पैदलचलनेसेशरीर स्वस्थ रहता है।रोज पैदलचलनेसेशारीररक फुती बनी रहती है, शरीर में कमजोरी महसस नहीं होती। व्यकि तरोताजा महसस करता है।

पष्ठृ सख्यां: 113

भाषा की बात

1. (क) 'कपसाई' सज्ञां है।कपसना शब्द से'ना' कनकाल देनेपर 'पीस' धातुरह जाती है।पीस धात ुमें 'आई' प्रत्यय जोड़नेपर 'कपसाई' शब्द बनता है।ककसी-ककसी किया मेंप्रत्यय जोड़कर उसेसज्ञां बनाने केबाद उसकेरूप मेंबदलाव आ जाता है,जैसेढोना सेढुलाई, बोना सेबलाई।ु
मल शब्द केअतं मेंजड़करु नया शब्द बनानेवालेशब्दाशं को प्रत्यय कहतेहैं। नीचेकुछ
सज्ञाएँंदी गई हैं।बताओ येककन कियाओ ंसेबनी हैं-

बआईु.......................... कटाई...........................
कसचाई ं.......................... रोपाई...........................
कताई.......................... रंगाई...........................

उत्तर

सज्ञां - किया
बआईु - बोना
कटाई - काटना
कसचाई ं - सींचना
रोपाई - रोपना
कताई - कातना
रंगाई - रंगना

पष्ठृ सख्यां: 114

(ख) हर काम-धधेंकेक्षेत्रकी अपनी कुछ अलग भाषा और शब्द-भडारं होतेहैं।ऊपर कलखेशब्दों का सबंधं दो अलग-अलग कामों सेहै।पहचानो कक कदए गए शब्दों केसबं ंध ककन-ककन कामों सेहैं।

उत्तर

कदए गए शब्द कृकष तथा कपड़ेसेसबंकधतं है।

2. (क) तमनुेकपड़ो को कसलतेहुए देखाहोगा। नीचेइस काम सेजडुेकुछ शब्द कदए गए हैं।आस-पास केबड़ों सेया दरजी सेइन शब्दों केबारेमेंपछो और इन शब्दों को कुछ वाक्यों मेंसमझाओ। तरपाई बकखया कच्ची कसलाई चोर कसलाई

उत्तर

तरपाई - कपडेमेंतरपाई कर दो।

बकखया - रुमाल मेंबकखया लगा दो।

कच्ची कसलाई - पहलेकपडेमेंकच्ची कसलाई कर दो।

चोर कसलाई - इस पैंटमेंचोर कसलाई करना।

3. नीचेकलखेगए शब्द पाठ सेकलए गए हैं।इन्हेंपाठ मेंखोजकर बताओ कक येस्त्रीकलंग हैंया पक्लुगं - काकलख, भराई, चक्की, रोशनी, जेल, सेवा, पतीला

उत्तर

पक्लुगं - पतीला

स्त्रीकलगं - काकलख, भराई, चक्की, रोशनी, जेल, सेवा